# बिल्डिंग ए बुलवर्क

## अमेरिकी बैंकों का पतन भारतीय वित्तीय क्षेत्र को भी प्रभावित कर सकता है।

मिलेनियम पोस्ट

पेपर-III
( अर्थव्यवस्था )

हाल ही में अमेरिका में दो बैंक डूब गए। अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित सिलिकॉन वैली बैंक (SVB) के दिवालिया होने के बाद न्यूयॉर्क के सिग्नेचर बैंक पर भी ताला लग गया था। अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक की विफलता ने हर जगह जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है। 7 मार्च को, फोर्ब्स पत्रिका द्वारा सिलिकॉन वैली बैंक को अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में स्थान दिए जाने पर जश्न मनाया गया, लेकिन 10 मार्च को दिवालिया हो गया। पिछले पांच वर्षों से, यह बैंक सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार जीत रहा है। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को इस बैंक के रिसीवर के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपनी संपत्ति बेचकर निवेशकों को पैसा लौटाएगा

### पतन के कारण

बैंकों की बैलेंस शीट कम ब्याज वाले बॉन्ड से भरी हुई थी। विफलता को स्पष्ट रूप से 'परिसंपत्ति बेमेल' के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। दरअसल, यह बैंक स्टार्टअप्स से डिपॉजिट लेता था और जरूरतमंद स्टार्टअप्स को लोन के रूप में देता था या उन्हें निवेश करता था। एसवीबी ने इस पैसे को अमेरिकी बॉन्ड में निवेश किया था और फेडरल बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद बॉन्ड गिरने लगे। नतीजा यह हुआ कि जब अमेरिका में मंदी आई तो स्टार्टअप्स ने अपना पैसा बैंक से निकालना शुरू कर दिया। स्टार्टअप्स को वित्त देने के लिए, बैंक ने 15,000 करोड़ रुपये के नुकसान पर 21 बिलियन अमरीकी डालर के बॉन्ड बेचे और अंततः दिवालिया हो गया। दुनिया की जानी-मानी आईटी स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फर्म सिलिकॉन वैली बैंक को अच्छी तरह से जानती है।

बैंक की शुरुआत 1983 में हुई थी। इस बैंक का मुख्य काम दुनिया भर के स्टार्टअप्स में पैसा लगाना था। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सबसे बड़े बैंक सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालियापन ने रातों-रात इस क्षेत्र में अनिश्चितता पैदा कर दी है और इससे भ. ारत के स्टार्टअप परिदृश्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। अमेरिका में कारोबार करने वाले ज्यादातर भारतीय स्टार्टअप इस

बैंक की सेवाएं लेते हैं। सिलिकॉन वैली में हर तीसरे स्टार्टअप के संस्थापक भारतीय-अमेरिकी हैं। 60 से ज्यादा भारतीय स्टार्टअप वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं, जिसमें 40 स्टार्टअप ऐसे हैं, जिनका इस बैंक में दो करोड़ रुपये से लेकर आठ करोड़ रुपये तक जमा है इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए कार्यशील पूंजी के नए स्रोत की आवश्यकता होगी।

## विश्वव्यापी लहर

बैंक के पतन से न केवल अमेरिकी कंपनियां प्रभावित हुई हैं, बल्कि ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर आदि की कंपनियां भी प्रभावित हुई हैं। लोगों को 2008 में लेहमन ब्रदर्स के पतन की याद आ रही है। दो प्रमुख अमेरिकी बैंकों के डूबने से वैश्विक बाजार में भारी गिरावट आई है। तीन कारोबारी सत्रों में निवेशकों के 7.3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा डूब गए। भारत में बैंक निफ्टी (जो बैंकों के मूल्य को मापता है) लगभग 1,800 अंक गिर गया।

## भारतीय बैंकों के लिए सबक

अल्पकालिक उधार और उधार बैंकों को जोखिम में डालते हैं। जोखिम प्रबंधन के लिए, बैंक परिपक्वता और अवधि परिवर्तन का उपयोग करते हैं। एक बैंक की दक्षता को इस बात से मापा जाता है कि वह कितने सस्ते में परिवर्तन जोखिमों का प्रबंधन करता है। सबसे महत्वपूर्ण और तत्काल जोखिम-प्रबंधन गतिविधि को परिसंपत्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) को संभालने के लिए नियामकों और बैंकों द्वारा जोखिम-प्रबंधन रणनीतियों को संस्थागत रूप दिया जाता है। सर्वोत्तम शासन, जोखिम और अनुपालन प्रथाओं (जीआरसीपी) को लागू करने के लिए सक्रिय जोखिम प्रबंधन तकनीकों को उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती ब्याज दरों और सीमित तरलता के लिए जिम्मेदार होना चाहिए।

### दो बैंक डूबे, दो डूबते-डूबते बचे

टेक स्टार्टअप में निवेश करने वाला अमेरिका का बड़ा बैंक सिलिकॉन वैली बैंक (SVB) सिर्फ 48 घंटों में डूब गया था। इसके बाद सिग्नेचर बैंक (Signature Bank) बंद हो गया। क्रेडिट सुइस (Credit Suisse) और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक गिरते-गिरते बचे हैं। क्रेडिट सुइस अपने बचावकर्ता यूबीएस (UBS) के पास जाकर सुरक्षित है। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक (First Republic Bank) के गिरने की काफी ज्यादा संभावना थी। लेकिन 50 फीसदी गिरने के बाद अगले ही दिन इसका शेयर 50 फीसदी बढ़ गया। अमेरिका में ऐसे 186 बैंक हैं, जो खतरे के निशान पर हैं।

### 'ब्याज दर' बॉन्ड की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं?

- बॉन्ड बाजार में पैसा जुटाने का एक माध्यम होते हैं, यह एक तरह की गारंटी हैं, जो मूलतः दो तरीके के होते हैं। पहला सरकार के बांड और दूसरा प्राइवेट कॉर्पोरेट बांड। कॉरपोरेट की तुलना में सरकार के बांड ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं। बॉन्ड जारी करने की विशेष बात यह होती है कि यह हमेशा अपने वास्तविक मूल्य से कम दाम पर बिकते हैं और मैच्योरिटी आने पर इनका भुगतान वास्तविक मूल्य पर होता है। अब खरीद मूल्य और भुगतान मूल्य के बीच का अंतर ही बॉन्ड पर लाभ होता है।
- कोविड संकट के बाद से ही यूएसए में महंगाई दर तेजी से बढ़ने लगी है। इसके नियंत्रण की जिम्मेदारी फेडरल बैंक की होती है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय बैंक 'मनी सप्लाई' को नियंत्रित करता है। इसके लिए उसे नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि करनी पड़ती है। अमेरिका में भी केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2023 में ब्याज दर को 1 फीसदी से बढ़ाकर 4.7 फीसदी कर दिया है। अब अर्थशास्त्र का नियम कहता है कि जब बाजार में केन्द्रीय बैंक दरों को बढ़ाते हैं तो बांड बाजार में 'यील्ड' (यील्ड केवल रिटर्न है जो एक निवेश बांड से प्राप्त करता है।) प्रभावित होती है या कहें तो नकारात्मक रिटर्न प्राप्त होता है।
- सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक के डूबने के पीछे का कारण ब्याज दरों में इजाफा ही है। अमेरिका, मार्च 2022 के बाद से आक्रामक होकर प्रमुख ब्याज दर बढ़ा रहा है। अब तक इसमें 4.5 फीसदी का इजाफा हो चुका है। प्रमुख ब्याज दर बढ़ने से सरकारी बॉन्ड जैसी सिक्योरिटीज पर यील्ड बढ़ता है। जैसे-जैसे यील्ड बढ़ता है, पुरानी सिक्योरिटीज की मार्केट वैल्यू घटती जाती है। अमेरिका के बैंकों ने अपने एसेट्स का एक अहम हिस्सा बॉन्ड और ट्रेजरी नोट्स जैसी सिक्योरिटीज में निवेश किया हुआ है। ये बॉन्ड तब खरीदे गए थे, जब ब्याज दरें काफी कम थीं। एक साथ ब्याज दरों में भारी इजाफा होने से पहले इश्यू की गई सिक्योरिटीज की मार्केट वैल्यू काफी गिर गई। इससे बैंकों को भारी नुकसान हुआ है।

बाजार जोखिम बैंकों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला और सबसे गंभीर जोखिम है। बैंकों को नियमित रूप से एएलएम का अभ्यास करना चाहिए और सिम्युलेटेड स्ट्रेस टेस्ट विकसित करना चाहिए। कंपनी के मिश्रण को बदलने से परिदृश्यों के निर्माण और पूंजी पर्याप्तता पर तनाव परीक्षणों के निष्पादन की आवश्यकता होती है। ALM का दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य संकट से बचने में सहायता करता है। शत्रुतापूर्ण बाजार स्थितियों में, परिसंपत्ति और देयता मूल्य निर्धारण, संरचनात्मक तरलता निगरानी और सिम्युलेटेड और वास्तविक अंतराल को संबोधित किया जाना चाहिए। अगर कंपनी के लिए जोखिम बढ़ता है, तो नियंत्रण खतरों को मजबूत किया जाना चाहिए।

**बैंक ग्राहकों को इंश्योरेंस कवर**

- अमेरिका के फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (FDIC) अमेरिका के FDIC के नियम के अनुसार अगर देश में कोई भी बैंक डूबता है तो निवेशकों को 2.5 लाख डॉलर यानी लगभग 2 करोड़ रुपये तक इंश्योरेंस का लाभ मिलता है।
- भारत में भी बैंक ग्राहकों को अमेरिका की तरह इंश्योरेंस कवर का लाभ मिलता है। अमेरिका के FDIC की तरह यह काम भारत में DICGC (The Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation) करता है। इसके नियमों के अनुसार बैंक डूबने की स्थिति में बैंक ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपये तक की इंश्योरेंस कवर मिल सकता है। भारत में हर कॉमर्शियल बैंक और कोऑपरेटिव बैंकों के ग्राहकों को DICGC के इंश्योरेंस कवर का लाभ मिलता है।

बढ़ती ब्याज दरों के माहौल में, जब कम ब्याज दरों पर खरीदे गए बॉन्ड के परिणामस्वरूप कम उपज और नुकसान होता है, तो एसवीबी को पुनर्विचार करना चाहिए कि वे नियमित आधार पर एक दुर्लभ जमा बहिर्वाह को कैसे संभालेंगे- विशेष रूप से यह देखते हुए कि एसवीबी के राजस्व के लिए कितने कम बैंकिंग खाते हैं और कितना व्यापार करता है। परिणामस्वरूप बाजार जोखिम बैंक के लिए ऋण जोखिम से अधिक हो जाता है। जोखिम-प्रबंधन अप्रत्याशित जोखिम वाली घटनाओं के बारे में है न कि सुखद समय के बारे में। अगर एसवीबी को बचाने के लिए नियामक मिलकर काम कर सकते हैं तो पूरी वित्तीय प्रणाली को फायदा होगा। इस जोखिम घटना ने कई संस्थानों को एएलएम के खतरों से अवगत कराया है। महत्वपूर्ण जोखिम वाली घटनाओं से बचने के लिए, भारतीय बैंकों को अपने एएलएम का लेखा-जोखा और प्रबंधन ठीक से करना चाहिए।

## आगे बढ़ने का रास्ता

बैंक की विफलता ने सभी को उत्सुक कर दिया है कि क्या इससे भारत को नुकसान होगा। वैश्वीकृत दुनिया में, प्रत्येक आर्थिक घटना का प्रभाव होता है, चाहे वे अच्छी हो या बुरी और उनमें से अधिकांश का संबंध संयुक्त राज्य अमेरिका से होता है। यदि अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहने वाले निर्यातकों की गति धीमी हो जाती है तो भविष्य में भारतीय वित्तीय प्रणाली को नुकसान हो सकता है। आईटी कंपनियां भी प्रभावित हो सकती हैं साथ ही पूंजी प्रवाह-विशेष रूप से उद्यम पूंजी निवेश- कम हो सकता है साथ ही रुपये की कीमत पर भी इसका असर पड़ सकता है। हमें नहीं पता कि बारिश होगी या नहीं, लेकिन हमें अपने छाते बंद रखने चाहिए।

## संभावित प्रश्न (Expected Question)

**प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**

1. प्रमुख ब्याज दर बढ़ने से सरकारी बॉन्ड जैसी सिक्योरिटीज पर यील्ड बढ़ता है।
2. भारत में बैंक डूबने की स्थिति में बैंक ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपये तक की इंश्योरेंस कवर मिलता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

**Que. Consider the following statements–**

1. An increase in the prime interest rate increases the yield on securities such as government bonds.
2. Bank customers can get insurance cover up to a maximum of Rs 5 lakh in case of bank collapse in India.

Which of the statements given above is/are correct?

(a) Only 1

(b) Only 2

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

**उत्तर : C**

## संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

**प्रश्न : अमेरिकी बैंकों के पतन के कारणों को स्पष्ट कीजिए। यह भारतीय वित्तीय क्षेत्र को किस तरह से प्रभावित कर सकता है? क्या इससे भारतीय बैंकों को सबक सीख लेनी चाहिए? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)**

**उत्तर का दृष्टिकोण :-**

- अमेरिकी बैंकों के पतन के कारणों को बताएं।
- भारतीय वित्तीय क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ सकता है तथा अमेरिकी बैंको के पतन से भारतीय बैंक इससे कैसे सबक सीख सकते है बताएं।
- संतुलित निष्कर्ष दीजिए।

**नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।**